डोमीनोज की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 10 .40 लाख ऐंठे

जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत अशोक नगर निवासी युवती को डोमीनोज की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर जालसाजों ने 10 लाख 40 हजार 500 रूपए ऐंठ लिए। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने बताया कि रशमी जैनपति रिषीकेश जैन 48 वर्ष निवासी अशोकनगर अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसे डोमीनोज का फ्रेंचाइजी लेना था जिसके लिए आनलाईन आवेदन अक्टूबर माह में किया था। 29 नवंबर 25 को उसकी मेल आई डी पर उत्तर आया कि आपका फार्म सेलेक्ट हो गया है और 4 लोकेशन और केवाईसी के सारे डाक्यूमेंट मांगे गए। इसके बाद बताया गया कि तीन लोकेशन आपके सेलेक्ट हुए है दो रिजेक्ट हो गए है और कल आपका टेलीफोन इंटरव्यू होगा। सवा घंटे का इंटरव्यू हुआ यहाँ तक की पूरी वार्तालाप रिया शर्मा से हुई टेलीफोन इंटरव्यू में विभोर गुप्ता से बात हुई। इसेक बाद अगले दिन सेलेक्शन लेटर भेज 2,65,500 रूपए की फीस जमा करने के लिए बोला गया तो बताये गए खाते में रकम जमा कर दी। अगले प्रोसेस के लिए एक एप्लीकेशन फार्म भरने के लिए बोला और 7,75,000 फीस भरने के लिए भेजा अगले दिन रकम भेजी। लायसेंस फार्म भरने के लिए बोला तब शक पैदा हुआ 15 दिसम्बर को साइबर में शिकायत की गई। उसके दो दिन बात बातचीत हुई। 16 दिसम्बर से विभोर गुप्ता का फोन बंद हो गया। विभोर गुप्ता एवं रिया शर्मा ने धोखाधड़ी की गई।

जिला टास्क फोर्स में पंजीयन बिना नहीं चलेगी शिक्षण संस्थान

नवभारत,जबलपुर। सर्वोच्च न्यायालय के जुलाई 2025 के निर्देशों के पालन में, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राघवेंद्र सिंह के आदेशानुसार जिले के सभी शासकीय और निजी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग संस्थान, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और मेडिकल संस्थानों का 'जिला टास्क फोर्स' में पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है।प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य एवं डीटीएफ सचिव प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने बताया कि बिना पंजीकरण प्रमाण-पत्र के कोई भी संस्थान संचालित नहीं किया जा सकेगा। समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि पंजीयन के लिए समय सीमा 26 दिसंबर से 3 जनवरी है। जानकारी छिपाने या समय पर उपलब्ध न कराने पर संबंधित विभाग प्रमुख के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्रिसमस संदेश :

प्रेम की सभ्यता का निर्माण करें-फादर डेविस जॉर्ज

जब हम क्रिसमस 2025 की जगमगाती रोशनी और आनंदमय भजनों के बीच एकत्र होते हैं, तो हमारे हृदय पुनः उस विनम्र चरनी की ओर खींचे जाते हैं-जहाँ अनंत ने समय को छुआ और दिव्य प्रेम ने मानव रूप धारण किया। क्रिसमस केवल एक परंपरा या सांस्कृतिक त्योहार नहीं है; यह एक गहरा स्मरण है कि ईश्वर आज भी हमें खोजते हैं, हमारे साथ चलते हैं और हमारे टूटे पन को चंगा करना चाहते हैं। पोप लियो महान के शब्दों में- 'ईसाई अपनी गरिमा को याद रखो अब जब तुम ईश्वर के स्वभाव में सहभागी हो गए हो तो अपने पुराने पतित जीवन में न लौटो। 'यह उत्सव हमें उस गरिमा को पुनः प्राप्त करने हेतु आमंत्रित करता है जो मसीह के जन्म के द्वारा हमें मिली है। चरनी में जन्मा बालक-मसीह इतिहास का कोई दूरस्थ पात्र नहीं है। वे इम्मानुएल- 'ईश्वर हमारे साथ '-आज भी हमारे घरों, हमारे परिवारों और हमारे समुदायों में निवास करते हैं। पोप फ्रांसिस सुंदर रूप से कहते हैं- 'क्रिसमस ईश्वर की कोमलता है। 'कोमलता कमजोरी नहीं है; यह ईश्वर के करुणापूर्ण प्रेम की गहरी शक्ति है-वह प्रेम जो झुककर थके हुए, भूले-बिसरे और पापी को उठाता है। 2025 का वर्ष चुनौतियों, अनिश्चितताओं और विश्वभर में परिवर्तन से भरा रहा। ऐसे समय में क्रिसमस आशा का स्रोत बनकर आता है। आज भी अनेक लोग आर्थिक कठिनाइयों, धुवीकरण, यद्ध, हिंसा और विभाजन के घावों से जूझ रहे हैं। फिर भी, मसीह ठीक ऐसे ही यथार्थों में आते हैं-महलों में नहीं, बल्कि अस्तबल की गरीबी में। उनका जन्म हमें सिखाता है कि कृपा वहीं खिलती है जहाँ विनम्रता बोई जाती है, और शांति मानव इतिहास के अंधेरे अध्यायों में भी संभव है। पोप संत जॉन पॉल द्वितीय के शब्द आज भी प्रासंगिक हैं- 'डरो मत। मसीह के लिए द्ववार चौड़े खोल दो। आज अनेक हृदय भय से ग्रसित हैं-बच्चों के भविष्य का भय, समाज की अस्थिरता का भय, अकेलेपन का भय और असफलता का भय। क्रिसमस हमें इन भय से भागने के लिए नहीं, बल्कि इन्हें चरनी के सामने रखने के लिए आमंत्रित करता है- उस पर भरोसा करते हुए जो भय को साहस और निराशा को आशा में बदल देता है। पहली क्रिसमस की रात के चरवाहे हमें एक गहरी शिक्षा देते हैं-ईश्वर का संदेश न तो धनी और न ही शिक्षितों तक सीमित है; यहः साधारण, उपेक्षित और संघर्षरत लोगों के लिए है।

स्वर्गदूतों की उद्घोषणा- 'सर्वोच्च में ईश्वर की महिमा ऑर पृथ्वी पर उसके प्रिय जनौं पर शांति। आज भी हमारे संसार में गूंजती है। शांति केवल संघर्ष का अभाव नहीं है, यह न्याय, क्षमा और करुणा की उपस्थिति है। संत टेरेसा ऑफ कलकत्ता हमें याद दिलाती हैं- 'जब भी आप ईश्वर को आपके माध्यम से दूसरों से प्रेम करने देते हैं. तब क्रिसमस होता है। 'हमारे उत्सव केवल अनुष्ठानों तक सीमित न रहें. बल्कि कार्यो में प्रकट हों-जों मसीह की विनमता और करुणा को प्रतिबिंबित करते हैं। जब हम भूखों को भोजन देते हैं, अकेलों को समय देते हैं, और बीमारों को सांत्वना देते हैं-तब क्रिसमस हमारे कर्मो में सजीव होता है। चरनी हमें सादगी का भी स्मरण कराती है। उपभोक्तावाद, तुलना और प्रतिस्पर्धा से भरी दुनिया में क्रिसमस हमें विनम्रता, कृतज्ञता और संतोष का मार्ग दिखाता है। पोप बेनेडिक्ट XVI कहते हैं- 'दुनिया तुम्हें आराम का वादा करती हैं; परंतु तुम आराम के निए नहीं महानता के लिए बनाए गए हो 'सच्ची महानता वस्तुओं में नहीं, प्रेम में निहित है। सादगी हमें वंचित नहीं करती, बल्कि मुक्त करती है। परिवार क्रिसमस का हृदय है। यही वह स्थान है जहाँ हम क्षमा, बलिदान और धैर्य सीखते हैं। आज अनेक परिवार गलतफहमियों, आर्थिक बोझ और भावनात्मक दूरी से गुजर रहे हैं। पवित्र परिवार-येशु, मरियम और जोसफ-हमारे लिए सान्त्वना और आदर्श दोनों हैं। उनका जीवन भी कठिनाइयों से मुक्त नहीं था-अनिश्चितता, और खतरे-फिर भी उन्होंने ईश्वर की व्यवस्था पर विश्वास से साथ मिलकर सामना किया।

इस वर्ष, आइए हम ऐसे घरों का निर्माण करें जहाँ मसीह का स्वागत केवल सजावटों में नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में हो। हमारे संवादों में कोमलता हो; हमारे ओजन की मेज़ों पर आतिथ्य हो; और हमारे हृदयों में क्षमा हो। 'हम प्रेम की सम्यता का निर्माण करने के लिए बुल्लाए गए हैं। '

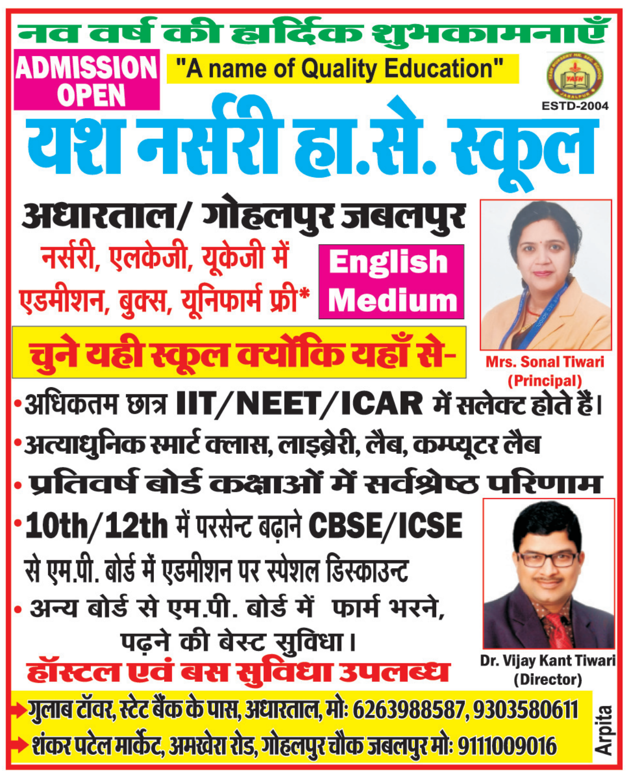

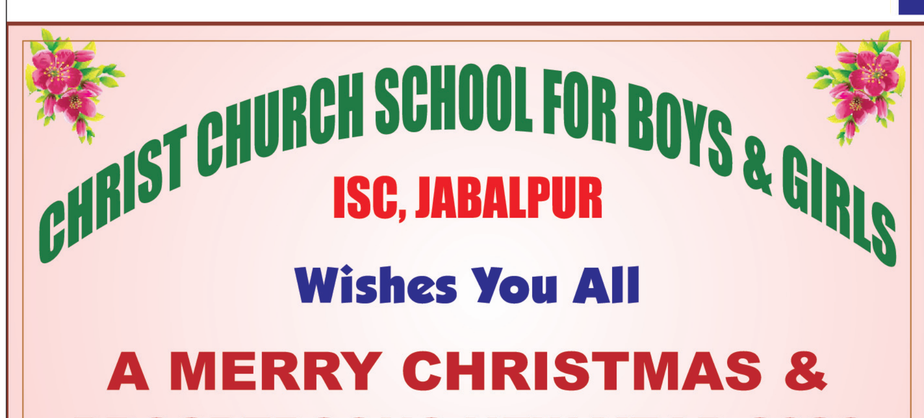

क्रिसमस पर्व के अवसर पर 25 दिसंबर 2025 के कार्यक्रम

प्रभु येसु के जन्म दिवस के अवसर पर आज 25 दिसम्बर 2025 को प्रातःकालीन क्रिसमस पर्व की आराधना 8 बजे से लेकर 9 बजे तक प्रारंभ होगी, जो लगभग 11 बजे से 12 बजे तक जारी रहेगी। प्रायः सभी चर्चों में मसीही समुदाय के विश्वासी एकत्रित होकर प्रभु येसु के जन्म दिवस के अवसर पर ईश्वर की महिमा गायेंगे तथा उनकी आराधना करेंगे, क्योंकि ईश्वर स्वयं मनुष्य बन कर धरती पर आया ताकि मानव जाति को उद्धार मिल सके। सेंट पीटर एंड पॉल कैथीड्रल, होली ट्रिनिटी चर्च नेपियर टाउन सहित समस्त कैथोलिक चर्चों के अलावा निम्न चर्चों में भी प्राःतकाल की प्रभु येसु के जन्मोत्सव की आराधना की जाएगी...

- क्राइस्ट चर्च कैथेड्रल, सीएनआई, नेपियर टाउन।
- सिटी मेथोडिस्ट चर्च, गुरंदी बाजार
- हवाबाग मेथोडिस्ट चर्च, नर्मदा रोड।
- मेथोडिस्ट चर्च, रांझी।
- इंग्लिश मेथोडिस्ट चर्च, नागरथ चौक।
- डिसाईपल्स चर्च ऑफ क्राइस्ट सीएनआई , नागरथ चौक।
- पेंटीकोस्टल चर्च, खमरिया।
- लूथरन चर्च, मेडिकल।
- असेंबली ऑफ गॉड चर्च, नेपियर टाउन।
- तेलगु बैप्टिस्ट चर्च, रानीताल।
- सेंट एंड्रयूज मारथोमा चर्च।
- सेंट जॉर्ज आर्थोडॉक्स चर्च।
- फुल गॉस्पल चर्च।
- इंग्लिश मैथोडिस्ट चर्च आदि।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा प्रेस कॉम्प्लेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharat.418@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RIN Reg No.1537/57